

भारत-श्रीलंका
तीसरा टी-20

भारत की नजर क्लीन स्वीप पर

तिरुवनंतपुरम 25 दिसंबर 2025, भारत महिला और श्रीलंका महिला टीम के बीच तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का तीसरा मुकाबला 26 दिसंबर 2025 को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम

ग्रीनफील्ड स्टेडियम में पहली बार महिला अंतरराष्ट्रीय मैच शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स शानदार फॉर्म में श्रीलंका को चामरी और हथिंता से बड़ी पारी की उम्मीद



भारतीय महिला टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन किया है। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुआई में टीम ने न सिर्फ जीत दर्ज की, बल्कि श्रीलंका को हर विभाग में पीछे छोड़ा। इसी वजह से तीसरे टी20 में भारत के जीतने की संभावना 91.5 प्रतिशत तक आंकी जा रही है, जबकि श्रीलंका के खाते

कुल मिलाकर, तिरुवनंतपुरम में होने वाला यह मुकाबला जहां भारत के लिए दबदबा कायम रखने का मौका है, वहीं श्रीलंका के लिए अस्मान बचाने की लड़ाई है। वया शेफाली और जेमिमा एक बार फिर रन बरसाएंगी, या चामरी अथापथु अपनी टीम को वापसी दिला पाएंगी

में महज 8.5 प्रतिशत मौका दिखाया गया है। भारतीय बल्लेबाजी की बात करें तो इस सीरीज में शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स सबसे बड़ा हथियार साबित हुई हैं। दूसरे टी20

आस्ट्रेलिया-इंग्लैंड बॉक्सिंग डे टेस्ट आज से ऑल पेस अटैक से उतरेंगे कंगारू

मेलबर्न, 25 दिसंबर इस समर यह दूसरी बार और पिछले पांच टेस्ट में तीसरी बार होगा, जब आस्ट्रेलिया बिना किसी मुख्य स्पिनर के पूरी तरह ऑल-पेस आक्रमण के साथ किसी टेस्ट मैच में उतरेगी।

बॉक्सिंग डे टेस्ट के अंतिम-12 में नाथन लियोन की जगह आए टॉड मफ्री को एक बार फिर जगह नहीं मिली है। हालांकि कार्यवाहक कप्तान स्टीवन स्मिथ ने कहा है कि सिडनी टेस्ट में उनके खेलने का अच्छा मौका रहेगा। माइकल नीसर, ब्रेंडन डॉनट और जे रिचर्डसन में से कोई दो अंतिम एकादश का हिस्सा होंगे। अगर रिचर्डसन को मौका मिलता है, तो यह एशेज 2021-22 के बाद उनका पहला टेस्ट होगा। वहीं नीसर के लिए यह उनका पहला टेस्ट-बॉल टेस्ट होगा। अब तक उन्होंने जो तीन टेस्ट मैच खेले हैं, सभी पिंक-बॉल टेस्ट रहे हैं।

इस बीच कैमरन ग्रीन को बल्ले से खराब दौर के बीच बल्लेबाजी क्रम में नीचे

ऑस्ट्रेलिया की संभावित टीम

जेक वेदराल्ड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, माइकल नीसर, मिचेल स्टार्क, ब्रेंडन डॉनट/जे रिचर्डसन, स्कॉट बोलेट।

खिसकाकर नंबर 7 पर भेजा गया है। उस्मान ख्वाजा नंबर 5 पर बल्लेबाजी करेंगे और फॉर्म में चल रहे एलेक्स कैरी नंबर 6 पर बने रहेंगे। बल्ले से खराब फॉर्म में चल रहे जॉश इंगलिस और अपनी बारी का इंतजार कर रहे वो

वेबस्टर, मफ्री के अलावा अंतिम-12 से बाहर होने वाले अन्य खिलाड़ी हैं। बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) टंडा रहने की संभावना है। हालांकि बाद के दिनों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के निचले स्तर तक पहुंच सकता है।

इंग्लैंड ने बेन डकेट का किया समर्थन

इंग्लैंड ने पिछले 24 घंटों के विवाद के बावजूद बेन डकेट का समर्थन किया है। लेकिन ऑली पोप को उनके निराशाजनक प्रदर्शन की कौमत् चुकानी पड़ी है और जेकब बेथेल को नंबर 3 पर बल्लेबाजी के लिए बुलाया गया है। जोपुरा आर्चर साइड स्ट्रेन के कारण पूरे दौरे से बाहर हो गए हैं, जिससे गस एटकिंसन की वापसी हुई है। विशेषज्ञ स्पिनर शोएब बशिर के लिए अब भी कोई जगह नहीं है।

इंग्लैंड की संभावित टीम

जेक क्रॉली, बेन डकेट, जेकब बेथेल, जो रुट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), विल जैक्स, गस एटकिंसन, ब्राइडन कार्स, जॉश टंग।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों में किसी क्रिकेटर का नाम नहीं

नयी दिल्ली, 25 दिसंबर वर्ष 2024 में भारत की टी 20 विश्व कप जीत और 2025 में महिला टीम की वनडे विश्व कप जीत के बावजूद किसी क्रिकेटर को राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों में शामिल नहीं किया गया है। ध्यान देने वाली बात है कि इस साल की सिफारिशों में कोई क्रिकेटर शामिल नहीं है। आखिरी क्रिकेटर जिन्हें अर्जुन पुरस्कार मिला था, वह मोहम्मद शमी थे, जिन्हें 2023 में यह सम्मान दिया गया था।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप-कप्तान हार्दिक सिंह को

ये है नामांकन की पूरी लिस्ट...

मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार : हार्दिक सिंह (हॉकी) अर्जुन पुरस्कार : तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), प्रियंका (एथलेटिक्स), नरेंद्र (मुक्केबाजी), विदित गुजराती (शतरंज), दिव्या देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (बिंदी शूटिंग), प्रणति नायक (जिम्नास्टिक), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), निर्मला भाटी (खो-खो), रुशिश खडेलवाल (पैरा-शूटिंग), एकता भ्याण (पैरा-एथलेटिक्स), पद्मनाभ सिंह (पोलो), अरविंद सिंह (रोइंग), अखिल श्योरंग (शूटिंग), मेहुली घोष (शूटिंग), सुतीर्था मुखर्जी (टेबल टेनिस), सोनम मलिक (कुश्ती), आरती पाल (योगासन), त्रिशा जॉली (बैडमिंटन), गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), लालरमिसियामी (हॉकी), मोहम्मद अफसल (एथलेटिक्स), पूजा (कबड्डी)

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 में प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न के लिए नामांकित किया गया है।

खेल रत्न भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान है, जो हर साल भारत के खेल मंत्रालय द्वारा दिया जाता है।

नामांकित खिलाड़ी भारत के राष्ट्रपति से पुरस्कार को प्राप्त करते हैं। इस नामांकन को बुधवार को अर्वाइंस सेलेक्शन पैनल द्वारा अंतिम रूप दिया गया, जिसमें लंदन 2012 के पदक विजेता और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के वाइस प्रेसिडेंट गगन नारंग, मास्को 1980 ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता हॉकी खिलाड़ी एमएम सोमैया और पूर्व बैडमिंटन स्टार अपर्णा पोपट जैसे सदस्य शामिल थे। द्रोणाचार्य पुरस्कार और ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए नामांकन बाद में घोषित किए जाने की उम्मीद है।

अल्काराज ने कमाए 21 मिलियन डॉलर से अधिक

जैनिन सिनर ने कमाए 19,120,641 डॉलर

नयी दिल्ली, 25 दिसंबर स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज इस वर्ष एटीपी पुरस्कार राशि के रूप में सर्वाधिक 21,354,778 डॉलर से अधिक की कमाई कर इस मामले में शीर्ष पर हैं।

इसी के साथ छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज ने करियर पुरस्कार राशि के रूप में 60 मिलियन डॉलर का आंकड़ा भी पार कर लिया है। इटली के जैनिन सिनर दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने इस वर्ष 19,120,641 डॉलर कमाए हैं। एटीपी की ओर इस सप्ताह वर्ष 2025 के लिए पुरस्कार राशि की जारी सूची के

अनुसार इस मामले में जर्मनी के पेशेवर टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव 7,468,230 डॉलर के साथ तीसरे, ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनोर 6,666,087 डॉलर के साथ चौथे, इटली के लॉरेंजो मुसेटी 6,345,640 डॉलर के साथ पांचवें, अमेरिका के दिग्गज टेलर फ्रिट्ज 5,938,539 डॉलर के साथ छठे, कनाडा के फेलिक्स ऑगर एलियासेम 5,820,031 डॉलर के साथ सातवें, अमेरिका के बेन शोल्टन 5,672,734 डॉलर के साथ आठवें, सर्बिया के नोवाक जोकोविच 5,140,175 डॉलर के साथ नौवें स्थान पर है।



अल्काराज एटीपी इतिहास में एक सीजन में दूसरे सबसे अधिक कप्तान वाले टेनिस खिलाड़ी हैं। वह इस मामले में नोवाक जोकोविच के 2015 के कुल 21,646,145 डॉलर से पीछे हैं। सिनर दो अलग-अलग सीजन में 19,120,641 डॉलर (2025) और 19,735,703 डॉलर (2024) की कमाई करने वाले पहले टेनिस खिलाड़ी भी बन गए हैं।

'विकसित भारत' के लिए खेल प्रमुख स्तंभ

सांसद खेल महोत्सव के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बोले पीएम मोदी

नयी दिल्ली, 25 दिसंबर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सांसद खेल महोत्सव के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राष्ट्र निर्माण और चरित्र विकास में खेलों की परिवर्तनकारी भूमिका पर जोर दिया।

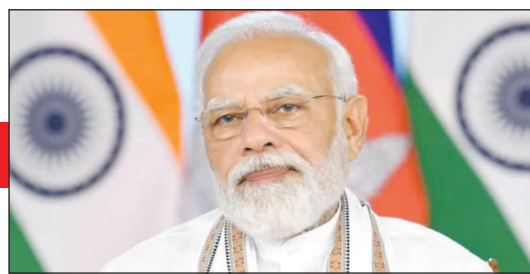
प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उभरते खिलाड़ियों को जमीनी स्तर पर मंच प्रदान करने के लिए इस पहल की सराहना की और भारत को एक वैश्विक

बॉक्सर नीरज से की बातचीत

चंडीगढ़. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसद खेल महोत्सव के आखिरी दिन हरियाणा के फतेहाबाद जिले के डंगरा गांव के युवा बॉक्सर नीरज से बातचीत की। खेल कार्यक्रम का समापन समारोह समाइन गांव के स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुआ, जहां वरुण अलवाल बावचीत हुई। बातचीत के दौरान, पीएम ने नीरज का गर्मजोशी से स्वागत किया और हल्के-फूल्के अंदाज में उनके हालचाल पूछे। राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतने वाले बॉक्सर नीरज ने खेल में फूल-टाइम करियर बनाने की अपनी इच्छा बताई और देश के लिए ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने का अपना सपना बताया।

खेल महाशक्ति बनाने की केन्द्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

श्री मोदी ने खिलाड़ियों, कोचों और आयोजकों को संबोधित करते हुए कहा कि 'सांसद खेल महोत्सव' केवल प्रतियोगिताओं की श्रृंखला नहीं, बल्कि देश के हर कोने से प्रतिभागियों को खोजने की गतिविधि है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'पहले खेलों को अक्सर केवल एक सह-पाठ्यक्रम गतिविधि के रूप में देखा जाता था। आज हमारे युवा यह साबित कर रहे हैं कि खेल एक करियर विकल्प और राष्ट्रीय



गौरव का विषय है। इस तरह की पहल यह सुनिश्चित करती हैं कि इस दौड़ में ग्रामीण भारत की प्रतिभा अनदेखी न रह जाए।' प्रधानमंत्री ने पिछले एक दशक में भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र में आए बड़े बदलावों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक, पैरालंपिक और एशियाई खेलों जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर

भारतीय खिलाड़ियों की सफलता 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कोम' (टॉप्स) और 'खेलो इंडिया' जैसी पहलों का परिणाम है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को चुनौतियों को अवसर के रूप में देखने के लिए प्रेरित करते हुए कहा, 'खेल में कोई हारने वाला नहीं होता, केवल विजेता और सीखने वाले होते हैं।'

पीवी सिंधु चैयरपर्सन चुनी गईं

नयी दिल्ली, 25 दिसंबर दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट और पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु को बुधवार को 2026-2029 कार्यकाल के लिए बीडब्ल्यूएफ एथलीट्स कमीशन की चैयरपर्सन चुना गया।

इस भूमिका में अब पीवी सिंधु बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) कार्यालय मेंबर के तौर पर काम करेंगी - जिससे खिलाड़ियों को इस संस्था के ग्लोबल गवर्नेंस में

सौधी आवाज मिलेगी। नीदरलैंड को डेबोरा जिल, जो यूरोपियन गेम्स की सिल्वर मेडलिस्ट हैं, भारतीय बैडमिंटन स्टार की डिप्टी होंगी।



सिंधु ने कहा, 'साथी एथलीटों द्वारा यह जिम्मेदारी सौंपना मेरे लिए सम्मान की बात है, जिसे मैं विनम्रता और कृतज्ञता के साथ स्वीकार करती हूँ। मैं पिछले कार्यकाल में किए गए असाधारण काम के लिए ग्रेसिया पोली को भी दिल से धन्यवाद देना चाहती हूँ।'

एक नजर में इस्तिकलोल ने एफसी गोवा को हराया

मडगांव (गोवा). इस्तिकलोल ने एफसी चैंपियंस लीग टू 2025-26 के आखिरी ग्रुप डी मैच के दूसरे हाफ में शानदार वापसी करते हुए एफसी गोवा को 2-1 से हराया। पंडित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में बुधवार रात खेले गये मुकाबले में घरेलू टीम एफसी गोवा के लिए डेजान झुजिक ने आठवें मिनट में गोल दाग कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इस्तिकलोल ने सात मिनट बाद जवाबी हमला किया। अमीरबेक जुराबोव ने दूर से गोल करने का प्रयास किया। इसके एक मिनट बाद सियायेशा हगानाजारी ने गोल करने का प्रयास किया लेकिन शॉट बार से टकरा गया। कुछ ही देर बाद एफसी गोवा के इकर गुआर्रोत्सेना ने बढ़त को दोगुना करने का प्रयास किया लेकिन विपक्षी टीम के निकाला स्टोसिस ने उनके शॉट को रोक लिया। इसके बाद स्पेनिश फॉरवर्ड ने कौन से मिले मोर्के पर हेडर से किया गया अपना शॉट बार के ऊपर मार दिया। पहले हाफ के बाद एफसी गोवा ने 1-0 से बढ़त को बनाये रखा। दूसरे हाफ में ताजिकिस्तान की टीम ने जोरदार वापसी की, कामोलाफे ने हर्ष पात्रे के खराब बेंकपास का फायदा उठाया और शर्मा को चकमा देकर 53वें मिनट में गोल दाग कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके वह केवल बड़ी ही कर पाए और इस्तिकलोल ने 2-1 जीत हासिल कर ली।

जीव ने 13 साल के खिताबी सूखे को किया खत्म कोलंबो (श्रीलंका). भारत के गोल्फ लीजेंड जीव मिल्खा सिंह ने कई युवा और अनुभवी सितारों को हराकर आईसीटीपीएल के पहले सीजन में जीत दर्ज करते हुए 13 साल के खिताबी सूखे का भी अंत कर दिया। जीव मिल्खा सिंह ने रॉयल कोलंबो गोल्फ कोर्स के ग्रीन्स पर अपने युवा प्रतिद्वंद्वियों को बेहतरीन सबक सिखाया। दूसरे दिन के सामान्य प्रदर्शन के बाद, जीव ने पटिंग ग्रीन पर लगभग आधा घंटा बिताया। जिसका फायदा उन्हें मिला, क्योंकि उन्होंने शानदार पटिंग की और अपने बेहतरीन आयरन प्ले को और बेहतर बनाया। उन्होंने अपने अप्रोच शॉट 5-10 फीट के अंदर मारे। एक समय पर उन्होंने लगातार पांच बर्डी और छठे और 14वें होल के बीच नौ होल में सात बर्डी बनाई। आर्यन रूपा आनंद से दो शॉट पीछे शुरू करते हुए, जीव, जो दस दिन पहले 54 साल के हुए थे, ने 6-अंडर 65 के साथ कुल 15-अंडर का स्कोर बनाकर समय को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने आर्यन को एक शॉट से हराया। आर्यन (68) को प्ले-ऑफ में जाने के लिए पार-4 18वें होल पर इंगल की जरूरत थी, लेकिन वह केवल बर्डी ही कर पाए और 14-अंडर के स्कोर के साथ अकेले दूसरे स्थान पर रहे। जैसे ही जीव ने अपना पहला आईजीपीएल खिताब जीता,

किसान का बेटा बना क्रिकेट का सितारा

पिता के त्याग और पढ़ाई के साथ क्रिकेट के संतुलन से रचा इतिहास



नयी दिल्ली, 25 दिसंबर भारतीय क्रिकेट में जब भी किसी असाधारण प्रतिभा का उदय होता है, उसके पीछे संघर्ष, परिवार का त्याग और मजबूत इरादों की कहानी जरूर होती है।

वैभव सूर्यवंशी की कहानी भी ऐसी ही है, लेकिन यह इसलिए खास बन जाती है क्योंकि यह कहानी बिहार के एक साधारण किसान

आज वैभव सूर्यवंशी सिर्फ एक उभरता हुआ क्रिकेटर नहीं, बल्कि उन लाखों बच्चों की उम्मीद हैं जो छोटे गांवों और सीमित साधनों से बड़े सपने देखते हैं। एक किसान पिता का बेटा, जिसने स्कूल की पढ़ाई के साथ क्रिकेट को साधा और मेहनत के दम पर देशभर में पहचान बनाई-वैभव की कहानी यही सिखाती है कि सपनों को कोई उम्र और सीमा नहीं होती।

परिवार से निकलकर क्रिकेट की सबसे बड़ी चमकदार दुनिया तक पहुंचने की है। बहुत कम

उम्र में जिस तरह वैभव ने अपनी बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है, उसने उन्हें भारतीय क्रिकेट का भविष्य कहा जाने लगा है। वैभव सूर्यवंशी का जन्म बिहार के एक छोटे से गांव में हुआ। उनके पिता पेशे से किसान रहे हैं। सीमित आय और संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने बेटे के सपनों को कभी छोटा नहीं होने दिया। गांव की मिट्टी में खेलते हुए जब वैभव ने पहली बार बल्ला थामा, तभी पिता को अहसास हो गया था कि उनके बेटे में कुछ अलग बात है। इसके बाद शुरू हुआ एक ऐसा सफर, जिसमें खेल, स्कूल और क्रिकेट मैदान-तीनों एक साथ चले।

हॉकी 2025

जीत और हार दोनों की सच्ची तस्वीर

भारतीय टीम ने पुरानी प्रतिभा और संघर्ष को दिखाया

नई दिल्ली 25 दिसंबर. 2025 भारतीय हॉकी के लिए एक ऐसा वर्ष रहा जिसमें टीम ने अपनी पुरानी प्रतिभा और संघर्ष दोनों को दिखाया। जहाँ एक ओर टीम ने एशिया कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर खिताब जीता, वहीं कुछ मुकाबलों में हार भी झेली, जिसने यह दर्शाया कि सुधार और मजबूती की जरूरत अभी भी बनी हुई है। सबसे बड़ा

गौरव भारत के हॉकी एशिया कप 2025 के फाइनल में देखने को मिला, जहाँ भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस मुकाबले में भारत ने शुरुआत से ही बढ़त बनाई और अपने दबदबे वाले खेल से विरोधी टीम को नियंत्रण में रखा। सुखजीत सिंह, डिलप्रीत सिंह और अमित रोहिदास ने

गोल करके टीम की जीत को सुनिश्चित किया। यह जीत 2025 में भारत ने एशिया कप का खिताब 4-1 से किया अपने नाम सुल्तान अजलान शाह कप और विश्व कप व्वालीफायर में बड़ी जीतें भी रही खास इसलिए भी महत्वपूर्ण थी

क्योंकि यह भारत का आठ साल बाद एशिया कप खिताब था और इससे टीम ने अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए सीधा क्वालीफाई भी कर लिया। एशिया कप के दौरान भारत ने सुपर-4 चरण में चीन को 7-0 के बड़े अंतर से हराकर अपनी ताकत का परिचय दिया। इस मैच में टीम के कई खिलाड़ियों ने गोल किए और

टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। इस तरह के बड़े अंतर वाली जीत ने दर्शाया कि टीम गंभीर मुकाबलों में अपना श्रेष्ठ स्तर दिखा सकती है। एशिया कप के पूल चरण में भी भारत ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया। कजाकस्तान के खिलाफ टीम ने 15-0 से शानदार जीत दर्ज की, जहाँ टीम के सभी विभागों ने सामूहिक रूप से प्रभावी खेल दिखाया।

